समाचार वाणी

ख़बर जो करें असर !

नाशिक | **Tuesday, 29 September 2026**

मुस्लिम देश की टेक वर्ल्ड मे तगड़ी छलांग : मिडिल ईस्ट मे UAE ने किया पहला 6G ट्रायल सफल, मिली 145 Gbps की स्पीड

Publisher

Published on 16 Oct 2025

मध्य पूर्व यानी मिडिल ईस्ट ने अब तकनीकी दुनिया में एक नया इतिहास रच दिया है। **संयुक्त अरब अमीरात (UAE)** ने हाल ही में **पहला 6G नेटवर्क ट्रायल** सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इस ट्रायल के दौरान **145 गीगाबिट प्रति सेकंड (Gbps)** की अविश्वसनीय स्पीड दर्ज की गई, जो दुनिया की अब तक की सबसे तेज़ वायरलेस डेटा ट्रांसमिशन गति मानी जा रही है।

यह उपलब्धि केवल तकनीकी सफलता नहीं, बल्कि यह दर्शाती है कि मुस्लिम देशों में भी अब **उन्नत विज्ञान और डिजिटल इनोवेशन** की लहर तेज़ी से बढ़ रही है। 6G तकनीक का यह ट्रायल UAE की राजधानी अबू धाबी में किया गया, जिसे देश की अग्रणी दूरसंचार कंपनी **Etisalat by e&** ने अपने तकनीकी साझेदारों के साथ मिलकर पूरा किया।

6G ट्रायल की तकनीकी सफलता

जानकारी के अनुसार, इस ट्रायल में **AI (Artificial Intelligence)** और **THz (Terahertz) फ्रीक्वेंसी** का उपयोग किया गया। इन तकनीकों के संयोजन से डेटा ट्रांसफर की गति को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया गया।
6G की यह स्पीड इतनी तेज़ है कि इसके जरिए **एक घंटे की 4K फिल्म को कुछ सेकंडों मे डाउनलोड** किया जा सकता है। साथ ही, रियल-टाइम वर्चुअल अनुभव, होलोग्राफिक कम्युनिकेशन और स्पेस-बेस्ड इंटरनेट जैसी सेवाओं को भी संभव बनाया जा सकेगा।

Etisalat के सीईओ **हातिम दोवाइदर** ने इस अवसर पर कहा,
“[illegible], [illegible] 6G [illegible], [illegible], [illegible]

[illegible]”

AI के साथ स्मार्ट नेटवर्किंग का संगम

इस ट्रायल की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसमें **AI आधारित नेटवर्क ऑप्टिमाइजेशन** को भी शामिल किया गया। इसका अर्थ है कि 6G नेटवर्क खुद-ब-खुद ट्रैफिक पैटर्न को समझकर स्पीड और परफॉर्मेंस को ऑटोमैटिक रूप से एडजस्ट कर सकता है।
AI के इस प्रयोग से नेटवर्क न केवल तेज़ होगा, बल्कि ऊर्जा की खपत भी कम होगी, जिससे इसे “**सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी**” कहा जा सकता है।

भविष्य की तकनीकी दिशा

6G नेटवर्क को 2030 तक व्यावसायिक रूप से लॉन्च करने की योजना है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह केवल मोबाइल डेटा की स्पीड बढ़ाने की तकनीक नहीं होगी, बल्कि इससे दुनिया **Internet of Everything (IoE)** के युग में प्रवेश करेगी — यानी मनुष्य, मशीन, वाहन और डेटा सब एक-दूसरे से बिना देरी के जुड़े रहेंगे।

माना जा रहा है कि 6G तकनीक **5G की तुलना मे 100 गुना तेज़** होगी। इसका उपयोग **स्वचालित वाहनों, दूरस्थ सर्जरी, ड्रोन नेटवर्किंग, औद्योगिक ऑटोमेशन** और **रक्षा प्रणाली** में किया जा सकेगा।

UAE की डिजिटल नीति और महत्वाकांक्षा

UAE लंबे समय से खुद को मिडिल ईस्ट का “**डिजिटल हब**” बनाने की दिशा में काम कर रहा है। पहले जहां तेल आधारित अर्थव्यवस्था इसकी पहचान थी, वहीं अब यह देश तेजी से **टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेसं और स्मार्ट सिटी इनोवेशन** के क्षेत्र में अग्रणी बनता जा रहा है।
सरकार ने पहले ही “**UAE 2031 Vision**” के तहत यह घोषणा की थी कि देश आने वाले दशक में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन में अग्रणी भूमिका निभाएगा।

6G ट्रायल की सफलता इस दिशा में बड़ा कदम है।
UAE की **टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी (TRA)** ने कहा है कि 6G तकनीक का यह पहला प्रयोग न केवल देश बल्कि पूरे अरब विश्व के लिए गर्व का क्षण है। यह मिडिल ईस्ट को वैश्विक टेक्नोलॉजी मानचित्र पर एक नई ऊंचाई देगा।

वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों की राय

तकनीकी विशेषज्ञों का मानना है कि यह ट्रायल सिर्फ UAE के लिए नहीं, बल्कि **मुस्लिम देशों के लिए भी तकनीकी स्वावलंबन का प्रतीक** है।
टेक्नोलॉजी विश्लेषक डॉ. अब्दुल रहमान ने कहा —
“UAE [illegible]”

दूसरी ओर, कई टेक कंपनियां जैसे **Huawei, Nokia, Samsung और Ericsson** पहले से ही 6G पर रिसर्च कर रही हैं। लेकिन यह तथ्य उल्लेखनीय है कि UAE ने इन दिग्गजों के साथ मिलकर **प्रैक्टिकल ट्रायल का पहला चरण** सफलतापूर्वक पूरा किया है।

वैश्विक प्रभाव

6G के सफल ट्रायल से अब मिडिल ईस्ट में तकनीकी निवेश और तेजी से बढ़ेगा। विशेषज्ञों का अनुमान है कि इससे आने वाले पांच वर्षों में **अरब टेक सेक्टर मे 100 अरब डॉलर से अधिक का निवेश** हो सकता है।
इसका प्रभाव न केवल दूरसंचार बल्कि **डिफेसं, हेल्थकेयर, ट्रांसपोर्ट और एजुकेशन सेक्टर** में भी दिखेगा।

6G की मदद से स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स में भी क्रांतिकारी बदलाव आएंगे। अब **होम ऑटोमेशन, ड्रोन डिलीवरी, सेल्फ-ड्राइविंग**

कारे और **वर्चुअल ऑफिस** जैसी सुविधाएँ आम हो जाएंगी।

UAE का यह कदम मिडिल ईस्ट को तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक **मील का पत्थर** साबित हुआ है। जहां कुछ साल पहले तक यह क्षेत्र केवल ऊर्जा संसाधनों के लिए जाना जाता था, वहीं अब यह **आर्टिफिशियल इंटेलिजेसं और हाई-स्पीड नेटवर्किंग** का नया केंद्र बनता जा रहा है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.